an>

Title: Need to relax the population criteria in respect of habitation in Jammu and Kashmir, especially in Ladakh region for connection with the road under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojana.

श्री थुपस्तान छेवांग (लद्दाख) : माननीय अध्यक्ष जी, माननीय प्रधान मंत्री जी के दिशानिर्देश में ग्रामीण विकास मंत्रालय ने देश में जितनी बसावट हैं, जिनका अभी तक सड़कों से नहीं जोड़ा जा सका है, सन् 2019 तक जोड़ने का उन्होंने बेड़ा उठाया है। यह बहुत ही चैलेंजिंग टॉस्क है, खास तौर से हिल्स स्टेट्स के लिए जहां की पोपुलेशन कम है और एरिया ज्यादा है, मैं मंत्रालय के संज्ञान में यह बात लाना चाहता हूं कि इस कार्य के लिए जो काम जमीनी सतह पर होना चाहिए था, वह होता नहीं दिख रहा है। मेरा यह संशय है कि यह काम समय पर नहीं होगा। विशेÂाा तौर पर मैं जम्मू-कश्मीर सरकार का जिक्र करना चाहता हूं कि यह सड़क बनाने का काम है। सबसे पहले इसकी प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करनी होती है और सबमिट करनी होती है। यह काम अभी तक वहां पर शुरु नहीं किया गया है जिसकी वजह से मुझे संशय है कि समय पर यह प्रोजेक्ट रिपोर्ट यहां पर नहीं आ पाएगी। मंत्रालय इसके लिए नियमित रूप से इसको रिव्यू करने का एक कार्यक्रम बनाए, ताकि स्टेट को मजबूर किया जाए कि समय पर वह प्रोजेक्ट रिपोर्ट सेन्टर के पास भेजे।

दूसरे, मैं लद्दाख क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करता हूं और एरिया बहुत बड़ा है लेकिन पोपुलेशन बहुत कम है। इसलिए बसावट दूर दूर बिखरी हुई है। ग्रामीण मंत्रालय इस बात पर विचार कर रहा है कि नक्सल इफैक्टेड एरिया और नॉर्थ-स्टेट के लिए बसावट के नियमों में फ्लैक्सिबिलिटी लाने पर विचार किया जा रहा है और 250 से घटाकर 150 पर नियम करने की की बात चल रही है। मेरा मंत्रालय ने निवेदन है कि लद्दाख जैसा दूरदराज इलाका देश में कोई नहीं है। यह इलाका 6 महीने सड़क से कटा रहता है। जहां नक्सल एरियाज और नॉर्थ स्टेट के लिए बसावट के नियमों में छूट देने की बात चल रही है, मैं निवेदन करना चाहता हूं कि लद्दाख एरिया के लिÂाय में भी नियम में छूट दी जाए और 150 वाली बसावट को भी सड़क से जोड़ा जाए ताकि वहां के लोग सड़कों से वंचित न रहें। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष : श्री भैरों प्रसाद मिश्र और कुंवर पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल को श्री थुपस्तान छेवांग जी द्वारा उठाए गए विÂाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

श्री सुभाÂा चन्द्र बहेड़िया-- अनुपस्थित।